



74 वें गणतंत्र दिवस

के पावन अवसर पर चंदवा प्रखंड समेत समस्त लातेहार जिलावासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।



आईये हम सभी मिलकर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हांथो को मजबूत करें व उनके द्वारा चलाये जा रहे लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सहभारी बने।

अमित कुमार गुप्ता

भाजपा मंडल अध्यक्ष
चंदवा

भाजपा परिवार चंदवा

आशिष सिंह, संजय साहू, विजय दुबे, जयराम साहू, मंजू देवी, दीपक निषाद, शिवकेश्वर यादव, मनिष गुप्ता, हिरामणी देवी, भुनेश्वर प्रजापति, राजेश गंझू, विभा साहू, विनोद कुमार बिनू, सेट्टी सिंह, सचिन कुमार, रिकी वर्मा, संटू कुमार गुप्ता, दुर्गा ठाकुर, सूर्य नारायण साहू, विरेन्द्र प्रसाद, प्रेमनाथ साहू, सुनिल मुंडा, उमेश गंझू, देवमणि वैद्य, आशिष लाल, प्रदीप ठाकुर, राजन भगत, साजिद खान, शशि देवी, श्रुति देवी, शंकर मुंडा, मनोज पाठक, मुरारी साव, रामकिशुन गंझू, जनक महतो, अमित सिंह, शर्मा गंझू, संतन साहू, अर्जुन यादव, रविन्द्र साव, यमुना चौधरी, मदन साव, अमित कुमार व समस्त भाजपा कार्यकर्ता।

निवेदक:- भाजपा मंडल कमिटी चंदवा



74 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर समस्त बारियातू प्रखंडवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

आईये हमसभी मिलकर बारियातू प्रखंड के चहुंमुखी विकास में अपना योगदान दें।



दीपाली भगत
बीडीओ सह सीओ



सुरेश राम
सीआई



प्रखंड सह अंचल कार्यालय बारियातू

प्रखंड नाजीर:- महेंद्र कुमार विधिकर, संजीव कुमार बीपीओ:- रवि कुमार यादव, पीएम आवास समन्वयक:- शशी कुजुर मनरेगा जेई:- प्रदीप कुमार भगत, प्रभात उरांव, 15वें वित्त जेई:- निशांत कुमार, शशीभुषन उरांव, पंचायत सेवक:- प्रकाश कुमार, चंदन कुमार, रामदेव नगोसीया, अनेश्वर प्रसाद, अविन्द पाण्डेय राजस्व कर्मचारी:- शोएब अख्तर, लाल बिहारी उरांव, अमित कुमार, अमीन:- संजय यादव रोजगार सेवक:- संतोष यादव, आजाद वर्मा, नईम खान, शिव प्रसाद, राजदेव सिंह रेखा कुमारी, अविनाश रंजन

बारियातु प्रखंड सह अंचल परिवार

प्रखंड सह अंचल परिवार लातेहार

74 वें गणतंत्र दिवस पर समस्त लातेहार जिला व प्रखंड वासियों को हार्दिक बधाई

आईये हम सभी मिलकर लातेहार जिले के विकास में अपनी भूमिका निभाएं एवं लातेहार प्रखंड को राज्य का सबसे आदर्श व विकसित प्रखंड बनाये



मेघनाथ उरांव
प्रखंड विकास पदाधिकारी
लातेहार



रुद्र प्रताप
अंचल अधिकारी
लातेहार



उदल राम
अंचल निरीक्षक
लातेहार



जन वितरण
प्रणाली संघ
लातेहार

राजस्व उप निरीक्षक

- वृदा उरांव • सुलेमान अंसारी
- कृष्णा उरांव
- फिबियानुस टोप्पो • ओमप्रकाश
- प्रेम एक्का • सुलेमान अंसारी
- कृष्णा राम • गुलाम साबिर



केतन गुप्ता
प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी
लातेहार



रघुनंदन कुमार
प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी
सह गोदाम प्रबंधक लातेहार



हीरा सिंह
लातेहार

रोजगार सेवक लातेहार प्रखंड

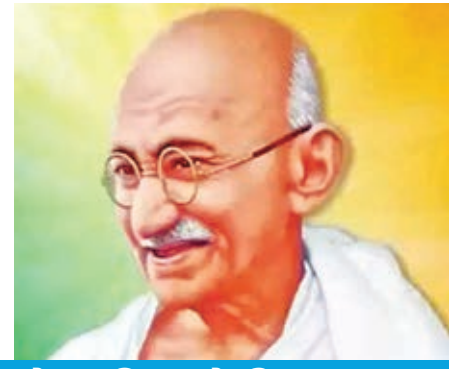
- जितेन्द्र कुमार यादव • निर्मला कुमारी • संजीव कुमार भगत
- सत्येन्द्र उरांव • दिनदयाल सिंह • बबीता कुमारी • सुरेश उरांव
- राजकुमार उरांव • प्रदीप सिंह • रेखा कुमारी • विशाल प्रसाद
- उषा जयसवाल • अकतर हुसैन • उमेश पाठक • मंजु देवी
- सुशिला देवी • मेराजुल हक • धनदेव सिंह

पंचायत सेवक लातेहार प्रखंड

- करमा उरांव • साकेत कुमार • मनोज प्रसाद
- योगेन्द्र प्रसाद • उमेश कुजूर • सामु उरांव • संतोष उरांव
- नागेश्वर रजक • सेराफिनस खालखों • अर्पण तिग्गा
- सुदेसर प्रसाद • विलसन लकड़ा • बिनोद उरांव

मुखिया संघ, लातेहार





न्यूज डायरी

आतंकी मुर्तजा को फांसी की सजा

लखनऊ। गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर पर हमला करने वाले मुर्तजा अब्बास को एनआइए कोर्ट ने फांसी की सजा सुनायी है। सुनवाई के लिए आतंकी को कड़ी सुरक्षा में लखनऊ अदालत में लाया गया। उसने अप्रैल 2022 में गोरखनाथ मंदिर पर हमला किया था। लगातार 60 दिन के रिकॉर्ड सुनवाई के बाद सोमवार को सजा का ऐलान हुआ है।

देवघर में इफको लगायेगा नैनो यूरिया का प्लांट

जमशेदपुर। रसायनिक खाद के उत्पादन, विपणन और बिक्री के क्षेत्र में दुनिया की सबसे बड़ी कोऑपरेटिव कॉर्पोरेट कंपनी इफको देवघर जिले में 400 करोड़ की लागत से नैनो यूरिया प्लांट लगायेगा। इफको के संयुक्त प्रबंध निदेशक राकेश कपूर ने खबर मन्त्र के साथ एक विशेष बातचीत में उक्त जानकारी दी है।

आसाराम दुष्कर्ण के दोषी सजा का फैसला आज

अहमदाबाद। आसाराम बापू की मुश्किल बढ़ने वाली है। 2013 के बलात्कार मामले में सेशन कोर्ट द्वारा उसे दोषी पाया गया है और कल सजा का ऐलान होगा।

दिउड़ी मंदिर जा कर

माही ने की पूजा-अर्चना रांची। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी उर्फ माही सोमवार को रांची तमाड़ में स्थित प्राचीन दिउड़ी मंदिर पहुंचे। उन्होंने यहां विधिवत पूजा-अर्चना कर माता के दरबार में माथा टेक कर आशीर्वाद लिया।

झारखंड में वही होगा जो सरकार चाहेगी : हेमंत

सरायकेला पहुंची जोहार यात्रा

खबर मन्त्र टीम

सरायकेला। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को यहां राज्यपाल और केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। सरायकेला में खतियानी जोहार के दौरान स्थानीयता विधेयक वापस करने को लेकर राज्यपाल पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य की सरकार यहां के मूल निवासियों के भावना के आधार पर काम करेगी। उन्होंने मंच से स्पष्ट तौर पर कहा कि जो राज्यपाल चाहेंगे वो नहीं जो सरकार चाहेगी वही होगा। हमें आज भी लोग बोका सोचते हैं। अब यही बोका लोग ठोकेगा। खतियानी जोहार यात्रा के दौरान 1932 आधारित स्थानीय नीति पर सीएम ने खुलकर बयान दिया है। उन्होंने कहा, झारखंड, दिल्ली या अंडमान निकोबार नहीं है। यहां सरकार जो चाहेगी



वही लागू होगा। विधेयक को लौटाने को लेकर उन्होंने कहा कि राज्यपाल, भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। यह नहीं चलेगा। वह संवैधानिक कसम खा कर बैठे हुए हैं, पर उसकी धज्जियां उड़ेगा सरकार यह नहीं होने देगी। राज्यपाल कहते हैं कि कानून नियम संगत नहीं बनाया है अजीब बात है।

सोमवार को सीएम खतियानी जोहार यात्रा के दूसरे चरण के तहत सरायकेला स्थित बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा के प्रभाव में हैं राज्यपाल : सीएम ने राज्यपाल रमेश बैस पर जमकर निशाना साधा और कहा कि राजभवन भाजपा के

भाजपा के इशारे पर राज्यपाल जो चाहेंगे, वह नहीं होगा

दोबारा राज्यपाल को भेजा जायेगा विधेयक

सरायकेला के मंच से विधायक और कई नेताओं ने हेमंत सोरेन से अपील की है कि दोबारा विधेयक को राज्यपाल के पास भेजा जाये। झारखंड झारखंडियों के लिए बना है। छत्तीसगढ़ के लोगों के लिए नहीं। 1985 का नियम लागू होने से बाहरी लोग झारखंड में प्रवेश मिला। झामुमो ने भी कहा है कि खतियानी आधारित विधेयक फिर राज्यपाल के पास भेजा जायेगा।

प्रभाव में आकर 1932 खतियानी आधारित स्थानीय नीति विधेयक को लौटाया है। महामहिम सरकार के विपरीत चल रहे हैं। विधेयक वापस किया गया यह नयी बात नहीं है, केंद्र सरकार द्वारा राज्यपाल के माध्यम से सरकार को परेशान करने का काम किया जा रहा है। (शेष पेज 11 पर)

राष्ट्रपति के पहले संतोहन से संसद का बजट सत्र आज से पहले दिन आर्थिक सर्वेक्षण, कल बजट

एजेंसी

नयी दिल्ली। संसद का बजट सत्र मंगलवार से शुरू हो रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में अपना पहला अधिभाषण देंगी। सत्र के दौरान सरकार की नजर राष्ट्रपति के अधिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव और वित्त वर्ष 2023-24 के आम बजट आदि पर सुचारू रूप से चर्चा कराने पर रहेगी, वहीं विपक्षी दलों ने अदाणी समूह से जुड़ा विषय, कुछ राज्यों में राज्यपालों के कामकाज, जाति आधारित गणना, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने के स्पष्ट संकेत दिये हैं। सत्र के दौरान 31 जनवरी को ही सरकार संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश करेगी।

एक को आम बजट : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को

सर्वदलीय बैठक में सरकार ने मांगा सहयोग विपक्ष ने उठाये कई मुद्दे



वित्त वर्ष 2023-24 का केंद्रीय बजट पेश करेगी। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी तक चलेगा। दूसरा चरण 13 मार्च से शुरू होकर छह अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दौरान 27 बैठक होंगी। यह केंद्र सरकार का आखिरी पूर्ण बजट होगा, क्योंकि अगले साल 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं। (शेष पेज 11 पर)

आज से नामांकन, बड़े दलों ने नहीं खोले पते

खुशी

रांची। रामगढ़ उपचुनाव को लेकर मंगलवार से नामांकन दाखिल किये जा सकेंगे। वहीं दूसरी ओर इस उप चुनाव को लेकर एनडीए एवं यूपीए की ओर से दावे तो किये जा रहे हैं, पर अब दोनों में से किसी ने प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है। विधायक ममता देवी के जेल जाने के बाद यह सीट रिक्त हुई है। ममता देवी का उत्तराधिकारी कौन होगा, इसे लेकर अब तक सिर्फ कयास ही लगाये जा रहे हैं। हालांकि यह माना जा रहा है कि कांग्रेस इस चुनाव में ममता देवी के पति बजरंग महतो को पार्टी प्रत्याशी बना सकती है। आजसू की यह

परंपरागत सीट रही है : यह सीट आजसू की परंपरागत सीट रही है, पर पिछले चुनाव में कांग्रेस ने यह सीट आजसू से छीन ली थी। तब सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी की पत्नी सुनीता चौधरी आजसू प्रत्याशी थीं। इसबार भी आजसू यह सीट छोड़ेगा, इसकी संभावना कम ही दिख रही है। अब सभी को यूपीए एवं एनडीए खेमा से प्रत्याशी ऐलान का इंतजार है। बिहार से अलग होने के बाद से रामगढ़ विधानसभा सीट पर तीन बार चुनाव हो चुके हैं। यह सीट हजारीबाग लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र का हिस्सा होने के साथ ही जिला मुख्यालय भी है। इसी वजह से यहां बड़े पैमाने पर विभिन्न दलों की राजनीतिक गतिविधियां संचालित होती है। (शेष पेज 11 पर)

सीएम तीन को बजट पर विशेषज्ञों संग करेंगे चर्चा

रांची।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तीन फरवरी को राज्य सरकार के वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट को लेकर अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक करेंगे। प्रोजेक्ट भवन में आयोजित इस बैठक में राज्य और देश के लगभग 10 प्रमुख अर्थशास्त्रियों के शामिल होने की संभावना है। वहीं झारखंड कैबिनेट की बैठक नौ फरवरी शाम चार बजे से प्रोजेक्ट भवन में होगी। सीएम की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाने की संभावना है।

पाकिस्तानी मस्जिद में धमाका, 50 की मौत

एजेंसी

पेशावर। उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के पेशावर शहर में सोमवार को पुलिस लाइन्स में बनी मस्जिद में फिदायीन हमले में करीब 50 पुलिसकर्मीयों की मौत की खबर है। 150 से अधिक लोग घायल हैं। इनमें से 66 की हालत गंभीर है। ब्लास्ट इतना ताकतवर था कि करीब दो किलोमीटर तक इसकी आवाज सुनायी दी। मस्जिद का एक बड़ा

करीब 550 नमाजियों के बीच हमलावर ने खुद को उड़ाया, 147 घायल

हिस्सा ढह गया। इमाम नूर-अल अमीन की भी मौत हो गयी। एक चश्मदीद ने कहा- दोपहर की नमाज के वक्त मस्जिद में करीब 500 लोग मौजूद थे। फिदायीन हमलावर बीच की एक लाइन में मौजूद था। यह साफ नहीं हो सका कि वो पुलिस लाइन्स पहुंचा कैसे, क्योंकि अंदर जाने के लिए गेट पास

दिखाना होता है। हमले के बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। मस्जिद से कई शवों को बाहर निकाला गया। मलबे में दबे लोगों को खोज के लिए मशीनों के जरिये मलबे साफ किये जा रहे हैं। धमाके के बाद अफरा-तफरी मच गयी। टीटीपी ने जिम्मेदारी ली : पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज के मुताबिक, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। आर्मी ने इलाके को घेर लिया। (शेष पेज 11 पर)



जिला-स्तरीय समीक्षा बैठक

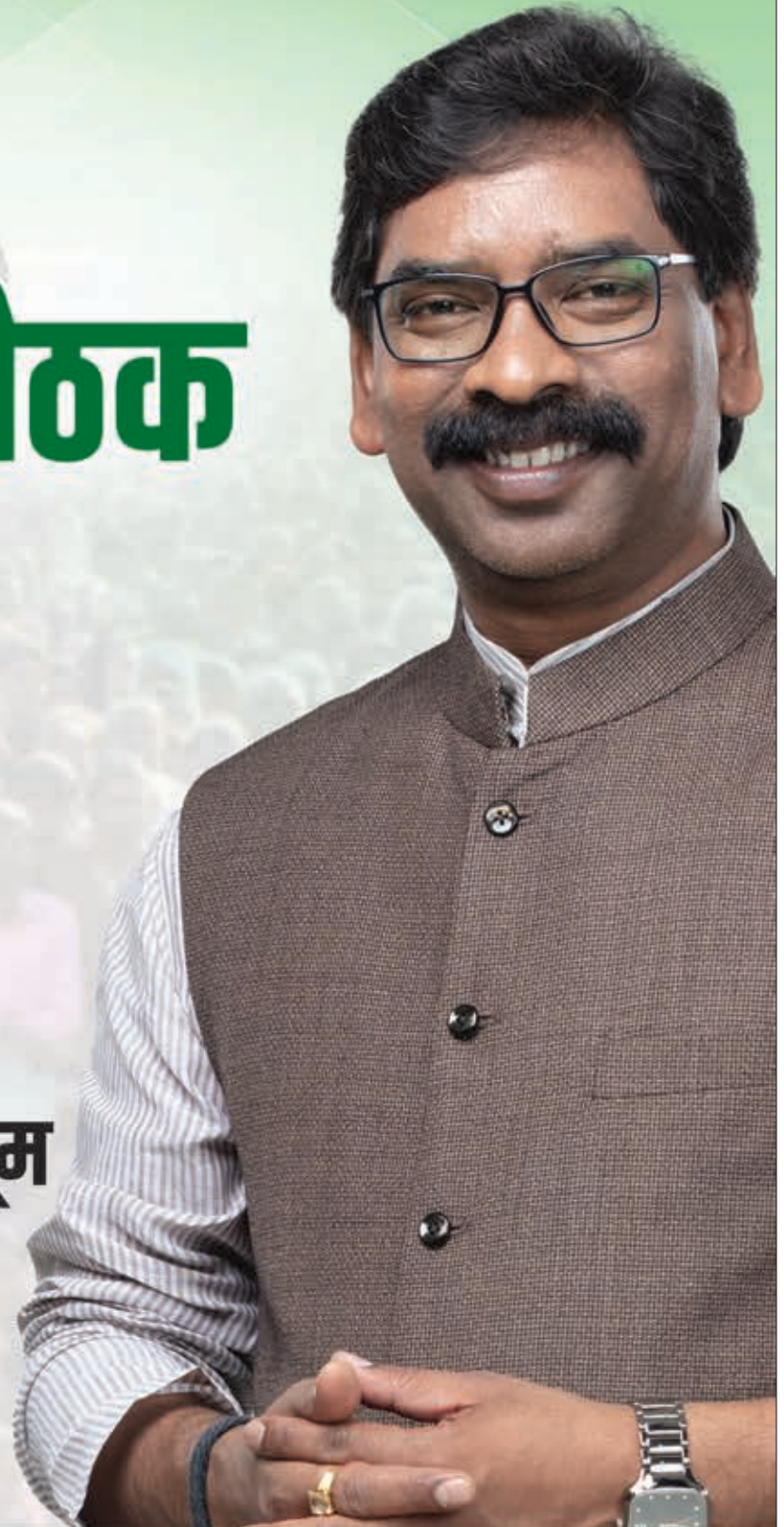
श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

की अध्यक्षता में

जिला : सरायकेला-खरसावां और पूर्वी सिंहभूम

दिनांक : 31 जनवरी, 2023



महंगाई और जाँब

देश के बजट से हर वर्ग को एक उम्मीद होती है। वहीं केन्द्र सरकार के बजट की कुछ मजबूरियाँ भी होती हैं। गांव और शहर में बंटे देश की बड़ी समस्या रोजगार और महंगाई को लेकर है। सरकारी आकड़ा से हटकर उत्पादों के मूल्य को लाभकारी बनाने का निजी क्षेत्र का उपक्रम और सरकार को लोक कल्याणकारी बने रहने की जिम्मेदारी साथ-साथ चलती है। सरकार के पक्ष में चुनावी माहौल बनाने के पीछे इन वादों और नारों का हाथ होता है। बजट में संतुलन और देश के अंदर की समस्या और पूरी दुनिया के साथ व्यापार निवेश का संतुलन भी केन्द्र सरकार की बड़ी जिम्मेदारी है। आज देश में निजीकरण का माहौल बना रहे यह अतिआवश्यक हो गया है। पाकिस्तान और श्रीलंका का जो हाल हुआ उससे भारत सबक ले सकता है। लोकलुभावन नारों एवं तर्कों से हटकर देश के आधारभूत संरचना का विकास, निजीकरण तेज करना, करों में सुधार और कर कम किया जाना, बैंकिंग सुधार, शिक्षा पर अधिक व्यय, स्वास्थ्य सेवा सस्ती और सर्वसुलभ हो राज्यों में विकास की गति तेज हो जैसी अनेक जवाबदेही के साथ महंगाई पर नियंत्रण और जाँब चाहे वह निजी क्षेत्र में हो या सरकारी क्षेत्र में बनाये रखने की आवश्यकता है। आजादी के 75 वें साल में हमें 2047 की तैयारी पूरी ताकत से आरंभ कर देना चाहिए। आज देश में सात करोड़ परिवार सर्व सुविधा भोगी हैं वहीं 18 करोड़ परिवार आज भी न्यूनतम आय और गरीबी से जूझ रहा है। देश की बड़ी आबादी संपन्नता की ओर नहीं जाती है तो भारत सिर्फ सात करोड़ परिवार के व्यापार वाला देश बन जाएगा। कई सामाजिक समस्या सामने खड़ी है। रक्षा और सुरक्षा से किसी हाल में समझौता नहीं किया जाना चाहिए। देश में पर्यटन और खेती-किसानी पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

तेल की कीमत

यह स्थिति तब है जब अगस्त में कच्चे तेल की कीमतों में 17.44 फीसद की गिरावट आई। माना जाता है कि तेल की कीमतों में कमी होने से वस्तुओं की माल दुलाई का खर्च कम होता है और इससे कीमतें गिरती हैं। विडंबना यह है कि हमारे यहाँ अंतरराष्ट्रीय बाजार में उतार-चढ़ाव का हवाला देकर तेल की कीमतों में बढ़ोतरी तो कर दी जाती है, लेकिन उसमें गिरावट के मुताबिक कमी नहीं की जाती। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि महामारी के दौरान लागू पूर्णबंदी की वजह से पहले ही लोगों के रोजगार और आमदनी पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। भारी तादाद में नौकरियाँ जो और व्यवसायों के तप होने के चलते लोग अपने खर्च में कटौती करने पर मजबूर हुए हैं। क्रयशक्ति बेहद कम हो जाने की वजह से वे सिर्फ अनिवार्य खरीदारी ही कर पा रहे हैं और दूसरे तमाम सामानों की बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। जाहिर है, अगर रोजी-रोजगार और आय में बढ़ोतरी के मद्देनजर सरकार की ओर से जल्दी ही कोई ठोस पहलकदमी नहीं हुई तो इसका असर वित्तीय और मौद्रिक नीतियों पर भी पड़ेगा, क्योंकि सरकार इससे संबंधित फैसले थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर के हिसाब से भी करती है। तेल का रिजर्व आखिर कोरोना जैसी विपत्ति के लिये ही था लेकिन केन्द्र और राज्यों की सरकारों ने तेल मूल्यों को दोगुना दरों पर कर दिया और अब चुनाव आने पर कीमत कम करने की ओर ध्यान दे रहे हैं। आखिर देश की सौ करोड़ आबादी कम आय माने निर्धन और अति निर्धन वर्ग से आते हैं। इन पर महंगाई का बड़ा असर पड़ता है। धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक मुद्दों में इन पर आर्थिक मुद्दा सबसे अधिक प्रभावित होता है। जो सरकारें इसे समझ नहीं सकी उनका सत्ता में रहना असंभव है। संभवतः यह बात अब समझ में आ रही है।

प्रकाश की ओर

धर्म प्रताह

स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

जब शूर्पणखा वहां गयी तो लक्ष्मण जी ने कहा कि तूम राम के पास ही जाओ। वे मालिक हैं तो एक नहीं दो चार पत्नियाँ रख सकते हैं। मैं तो दास हूँ मुझे पत्नी रखने का हक कहा है। मैं तो सेवा में आया हूँ। इसलिये वहीं जाओ वे रख सकते हैं। बार-बार जब उसने यही आग्रह किया तो लक्ष्मण जी ने उसके नाक-कान काट लिये। वह नाक-कान से रहित होकर भयंकर रूप से धारण मर भागी और खर-दूषण को जाकर कही कि अयोध्या के दो राजकुमार आये हैं उनके साथ एक स्त्री है उन्होंने ही मुझे इस प्रकार कुरुष बना दिया है। सुनते ही खर-भूषणक्रोध में आकर पूरी सेना लेकर चल दिया। रास्ते में धूल गर्वा उड़ते देखकर राम ने कहा लक्ष्मण निशाचर्यों की सेना आ रही है, आप मुझ में सीता को ले जाए। (ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम)

रिम्स के सर्जरी विभाग में पहली बार रोबोट की मदद से गाल ब्लैडर की लेंड्रोस्कोपिक सर्जरी की गई। बेल्जियम की कंपनी एवं मेरिल इंडिया के द्वारा आधुनिक तकनीक की रोबोट डैड एक्स के द्वारा यह ऑपरेशन किया गया।

रिम्स संस्थान, रांची

वे जो बिखरे हैं
शाल बनने
हर शाने-शाने,
इन्हीं धागों ने बुने हैं मेरे ताने-बाने!
- कुमार विश्वास, कवि

रोचक

जीत उनकी भी है जो लोट के घर ना आए।
हार उनकी ही है जो अननदाताओं की जान बचा ना पाए।

-राहुल गांधी

ट्वीट



प्राकृतिक न्याय और कानून का भी विकास के क्रम में ख्याल हो



मृत्युजय प्रसाद

नदी के किनारे स्थित किसी गांव के बारे में सोचिए जिसे अधिकारियों ने बताया हो कि वहां कुछ दिनों में बाढ़ आ सकती है। आप गांववासियों से क्या कदम उठाने की आशा करेंगे? किसी भी पारंपरिक समाज में लोग साथ मिलकर अपने बचाव की कोशिश करेंगे और ज्यादा संकटग्रस्त लोगों को बचाएंगे। उच्चाधिकारी भी हो सकते हैं जो चेतावनी दें और प्रासंगिक होने पर उन लोगों की पहचान करें जिनके कारण यह खतरा उत्पन्न हुआ। जरूरत पड़े? पर बाढ़ के प्रबंधन में उनकी सहायता लें। क्या जलवायु परिवर्तन को लेकर ऐसी

वैश्विक प्रतिक्रिया हो रही है? करीब 30 वर्ष पहले 200 या उससे अधिक देशों ने मिलकर ऐसे वैश्विक गांव की स्थापना की थी और इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए प्रणालियाँ विकसित की थीं-जलवायु परिवर्तन से जुड़े तथ्यों और पूर्वानुमानों को लेकर सहमति बनाने के लिए एक वैज्ञानिक संस्था यानी जलवायु परिवर्तन पर अंतरसरकारी पैनल (आईपीसीसी) तथा विभिन्न देशों को जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए क्या करना चाहिए इसके लिए यूएन फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) की स्थापना की गई।

इन्होंने तथ्यों और पूर्वानुमानों पर वैज्ञानिक सहमति को मजबूत किया है। तापमान के पूर्वानुमानों की विश्वसनीयता पर सदेह तथा जलवायु पर मानव विकास के प्रभाव अब बहुत सीमित हैं। ये अब प्रायः उन लोगों तक सीमित हैं जिनके वाणिज्यिक हित जीवाश्म ईंधन से जुड़े हुए हैं। आईपीसीसी की रिपोर्ट तथा तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के कारण बढ़ते विपरीत प्रभावों ने निश्चित रूप से वैज्ञानिक दायरे में जागरूकता बढ़ाई है लेकिन इसने उन लोगों में भी चेतना बढ़ी है जिनके वाणिज्यिक हित जलवायु परिवर्तन के जोखिम को कम करने के लिए उठाए गए कदमों से

पर्यावरण

प्रभावित हो रहे हैं। क्या इस बढ़ती जागरूकता और तथ्यों तथा पूर्वानुमानों को लेकर बढ़ती सहमति के कारण ऐसी आपात भावना पैदा हुई है जो इतनी मजबूत है कि आपातकालीन कदमों की प्रेरणा बन सके? कई बार जलवायु परिवर्तन संबंधी बैठकों के बाद अल्प समय के लिए ऐसा लगता है। लेकिन हकीकत यह है कि तापमान में बढ़ोतरी के घातक परिणाम भविष्य में बहुत बाद हुए हैं। आईपीसीसी की रिपोर्ट तथा तापमान में एक डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के कारण बढ़ते विपरीत प्रभावों ने निश्चित रूप से वैज्ञानिक दायरे में जागरूकता बढ़ाई है लेकिन इसने उन लोगों में भी चेतना बढ़ी है जिनके वाणिज्यिक हित जलवायु परिवर्तन के जोखिम को कम करने के लिए उठाए गए कदमों से

हैं लेकिन उस दिशा में अब तक के कदम संतोषजनक नहीं हैं। संयुक्त जवाबदेही की बात करें तो यह साझा किंतु अलग-अलग जवाबदेही की प्रतिबद्धता में नजर आता है जो जलवायु सिंधि में निहित है। दिक्कत यह है कि जलवायु न्याय का सिद्धांत जिसके जरिये इसे संचालित होना था, उसका कभी उल्लेख नहीं किया गया। इस बात पर भी कोई सहमति नहीं है कि जवाबदेही शब्द को अभिव्यक्तता के रूप में समझा जाए या कर्तव्य के रूप में। चूंकि जलवायु परिवर्तन के जोखिम ग्रीनहाउस गैसों के समग्र उत्सर्जन को प्रभावित कर पा रहे हैं। अहम मसला जिसे कभी हल नहीं किया गया है वह यह है कि आखिर अतीत के उत्सर्जन के लिए पश्चिमी देशों को किस हद तक जवाबदेह माना जाए।

केन्द्र के बजट से आमलोगों को बड़ी उम्मीद

अनल कुमार

केंद्र सरकार 1 फरवरी, 2023 को आगामी वित्त वर्ष (2023-24) के लिये केंद्रीय बजट प्रस्तुत करेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये यह बजट काफी महत्वपूर्ण होगा। निरंतर गिरती आर्थिक वृद्धि दर और मुद्रास्फीति संबंधी हालाइया आंकड़ों ने बजट निर्माण की प्रक्रिया को काफी जटिल बना दिया है। भारतीय अर्थव्यवस्था को मुद्रास्फीति से उबारना और वर्ष 2024 तक भारत को 5 ट्रिलियन डलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य प्राप्त करना बजट निर्माताओं के समक्ष बड़ी चुनौती होगी। क्या होता है बजट? 1. भारतीय संविधान में शासन प्रणाली की त्रि-स्तरीय व्यवस्था

अपनाई गई है। सर्वप्रथम केंद्रीय सरकार फिर राज्य सरकारें और अंत में स्थानीय सरकारें (जैसे- नगर निगम, नगरपालिका और जिला परिषद)। 2. उक्त सरकारें अपना-अपना बजट तैयार करती हैं जिसमें अपेक्षित राजस्व और प्रस्तावित व्यय का अनुमान होता है, इन्हें केंद्रीय बजट, राज्य बजट और नगरपालिका बजट कहते हैं। 3. वर्ष 2017 से पूर्व सरकार द्वारा अपने अपेक्षित राजस्व और अनुमानित व्यय का विवरण यानी केंद्रीय बजट को फरवरी माह के अंतिम कार्य दिवस पर प्रस्तुत किया जाता था, किंतु वर्ष 2017 में इस प्रथा को बदलते हुए सरकार ने पहली बार 1 फरवरी को बजट प्रस्तुत किया था और तब से प्रत्येक

बजट

वर्ष 1 फरवरी को ही बजट प्रस्तुत किया जाता है। 4. भारतीय संविधान में 'बजट' शब्द का कहीं भी प्रयोग नहीं किया गया है। इस संदर्भ में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में 'वार्षिक वित्तीय विवरण' का प्रयोग किया गया है। 5. इस प्रकार कहा जा सकता है कि बजट एक वार्षिक वित्तीय विवरण होता है, जो वित्तीय वर्ष के दौरान अपेक्षित राजस्व और अनुमानित व्यय को दर्शाता है। 6. सरकार अपने उद्देश्यों के आलोक में व्यय की योजना बनाती है और फिर प्रस्तावित व्यय को पूरा करने के लिये संसाधन जुटाने की कोशिश करती है। आमतौर पर

कर, शुल्क और जुर्माना, राज्यों द्वारा लिये गए ऋण का ब्याज और सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लाभांश केंद्र सरकार के लिये राजस्व प्राप्त के प्रमुख स्रोत हैं। बजट मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित होता है: कर राजस्व बजट राजस्व बजट में राजस्व प्राप्तियाँ और इस प्राप्त से किये जाने वाले व्यय शामिल होते हैं। राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व (जैसे- आयकर, उत्पाद शुल्क आदि) और गैर-कर राजस्व (जैसे- ब्याज रसीदें, लाभ आदि) दोनों शामिल होते हैं। बी.पूँजीगत बजट पूँजीगत बजट में पूँजी प्राप्ति (जैसे- उधार, विनिवेश) और लंबी अवधि के पूँजीगत व्यय (जैसे- संपत्ति, निवेश का सृजन) शामिल होती

हैं। पूँजी प्राप्ति सरकार की वे प्राप्ति होती है जो या तो देनदारियों का सृजन करती है या वित्तीय परिस्पर्तियों को कम करती है, जैसे- बाजार उधार, ऋण की वसूली आदि। वहीं पूँजीगत व्यय सरकार का वह व्यय होता है जो या तो संपत्ति का निर्माण करता है या देवता को कम करता है। **केंद्रीय बजट के उद्देश्य** 1. आर्थिक वृद्धि केंद्रीय बजट का प्राथमिक उद्देश्य अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को बढ़ावा देना होता है, ताकि आम लोगों के जीवन स्तर में सुधार किया जा सके। ज्ञात हो कि आर्थिक वृद्धि देश के सकल घरेलू उत्पाद में निरंतर वृद्धि को सूचित करती है। जारी...



चैनपुर प्रखंडवासियों को गणतंत्र दिवस की मंगलमय शुभकामनाएं।

कमरुद्दीन अंसारी

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष
चैनपुर पलामू।

तरहसी प्रखंडवासियों को गणतंत्र दिवस की मंगलमय शुभकामनाएं।

सच्चिदानंद महतो

प्रखंड विकास पदाधिकारी
प्रखंड तरहसी।

झारखण्ड प्रदेश समेत समस्त क्षेत्रवासियों को 74वां गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

अनुज कुमार शरण

प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी
बरवाडीह

74 वे गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रखंड वासियों के सारी शुभकामनाएं।

सत्येंद्र कुण्डीपक

उत्कर्मित मध्य विद्यालय झरपो।

आप सभी कुंदा वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुबोध पासवान

राजद प्रदेश प्रवक्ता

तरहसी प्रखंडवासियों को गणतंत्र दिवस की मंगलमय शुभकामनाएं।

रितेश दूबे

बीपीओ
प्रखंड तरहसी पलामू।

झारखण्ड प्रदेश समेत समस्त क्षेत्रवासियों को 74वां गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

नागेंद्र प्रसाद गुप्ता उर्फ चाव्या

सामाजिक कार्यकर्ता, बरवाडीह

झारखण्ड प्रदेश समेत समस्त क्षेत्रवासियों को 74वां गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

एनजी ऑटोमोबाइल्स होंडा शोरूम

आप सभी कुंदा वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

उपेंद्र पासवान

मरगड़ा मुखिया, कुंदा

तरहसी प्रखंडवासियों को गणतंत्र दिवस की मंगलमय शुभकामनाएं।

डॉ दिलीप कुमार सिंह

प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी स्वास्थ्य केंद्र मनातू सह अधीक्षक एमएमसीएच पलामू।

समस्त देशवासियों कसमस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

उत्कृष्ट प्रशिक्षण व तकनीक कौशल हेतु प्रतिबद्ध

हमारे यहां होंडा के सभी रेंज की मोटरसाइकल डिस्काउंट के साथ आसान किस्तों पर उपलब्ध है। आदर्श नगर मोंड के समीप, बरवाडीह

सिमरियावासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

बन्हे आजीविका महिला संकुल स्वावलम्बी सहकारी समिति लिमिटेड

तरहसी प्रखंडवासियों को गणतंत्र दिवस की मंगलमय शुभकामनाएं।

मनीष शुक्ला

प्राचार्य, राजकीयकृत उवि प्रखंड तरहसी पलामू।

विनोद बिहारी महतो आई.टी.आई. इंडस्ट्रियल एरिया बालीडीह, बोकारो

राज फ्यूल सेंटर और केजीएन इंडेन गैस एजेंसी की ओर से समस्त लातेहार जिलावासियों को 74 वां गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

हाजी मुमताज अली
सामाजिक कार्यकर्ता, पोखरी कला, बरवाडीह

हेसामुल अंसारी
युवा समाजसेवी, बरवाडीह

सभी सिमरिया वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

सुरेंद्र कुमार बक्सी

प्राचार्य सिमरिया डिग्री महाविद्यालय सिमरिया

तरहसी प्रखंडवासियों को गणतंत्र दिवस की मंगलमय शुभकामनाएं।

विकास रंजन

प्राचार्य, इंदिरा गांधी बालिका उवि प्रखंड तरहसी पलामू।

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

का. जगदीश रवानी

(कार्यकारी अध्यक्ष, मार्क्सवादी युवा मोर्चा) एवं का. गया राम शर्मा, (मा.स.स. बोकारो जिला सचिव)

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

महाराणा प्रताप विचार मंच, बोकारो

मृगेंद्र प्रताप सिंह (अध्यक्ष)
उदय कुमार सिंह (उपाध्यक्ष)
गौतम कुमार सिंह (सचिव)
अभय कुमार सिंह (कोषाध्यक्ष)
एवं राजा जनक (उप सचिव)

मझिआंव प्रखंड वासियों सहित गढ़वा जिला वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई

सुमित्रा देवी

निवर्तमान अध्यक्ष
नगर पंचायत, मझिआंव

तरहसी प्रखंडवासियों को गणतंत्र दिवस की मंगलमय शुभकामनाएं।

जयप्रकाश पासवान

थाना प्रभारी
प्रखंड तरहसी।

पलामू जिलावासियों को गणतंत्र दिवस की मंगलमय शुभकामनाएं।

संत लॉरेंस एकेडमी

मुकेश अग्रवाल निदेशक
संत लॉरेंस एकेडमी
बिरसा नगर शाहपुर डाल्टनगंज।

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक

सेक्टर. 4, बोकारो

मझिआंव प्रखंड वासियों सहित गढ़वा जिला वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई

रामचन्द्र चंद्रवंशी

निदेशक
शिवेश चंद्रवंशी इंटर कॉलेज, मझिआंव
प्रिंसिपल मिथिलेश प्रसाद

मझिआंव प्रखंड वासियों सहित गढ़वा जिला वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई

अलखनाथ पाण्डेय

निदेशक
आरके पब्लिक स्कूल, उचरी, मझिआंव
प्रिंसिपल राजेश कुमार पाण्डेय

मझिआंव प्रखंड वासियों सहित गढ़वा जिला वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई

नितेश भास्कर

प्रखंड विकास पदाधिकारी
मझिआंव

मझिआंव प्रखंड वासियों सहित गढ़वा जिला वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई

निकिता बाला

कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत, मझिआंव

प्रखंड वासियों सहित गढ़वा जिले वासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामना

शारदा महेश प्रताप देव सचिव टीडीएम इंटर कॉलेज, अधौरा, नगर उंटारी	प्रमोद कुमार केशरी एसडीपीओ नगर उंटारी	राज राजेन्द्र प्रताप देव सचिव शंकर प्रताप डिग्री कॉलेज, नगर उंटारी	श्रवण राम बीडीओ नगर उंटारी	सोनू सिंह प्रोपराईटर, जीवन धारा हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, नगर उंटारी
विक्रान्त सिंह उर्फ सोनू सिंह समाजसेवी सह प्रोपराईटर, 555 ब्रिक्स, नगर उंटारी	रीना साहू सीडीपीओ नगर उंटारी	नीतीश कुमार सिंह थाना प्रभारी नगर उंटारी	लता देवी उपाध्यक्ष नगर पंचायत,	डॉ. संतोष कुमार प्रोपराईटर, गुबाल हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, नगर उंटारी
डॉ. सुविचित्रा कुमारी चिकित्सा पदाधिकारी, रेफरल अस्पताल नगर उंटारी	विनोद कुमार सिंह प्रोपराईटर हरिओम इंडेन गैस एजेंसी, नगर उंटारी			

मझिआंव प्रखंड वासियों सहित गढ़वा जिला वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई

रामजी प्रसाद गुप्ता अंचल अधिकारी एमओ सह सीडीपीओ मझिआंव	सुश्री दीपमाला प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी, बरडीहा	कमलेश कुमार महतो थाना प्रभारी मझिआंव	आरती दुबे प्रखंड प्रमुख, मझिआंव प्रेम शंकर दुबे उर्फ मुन्ना दुबे	कुमारी छाया मुखिया रामपुर पंचायत, मझिआंव
डॉ मनीष कुमार सिंह मुनर-अम्बिका आरोग्यम सह रेफरल अस्पताल, मझिआंव	डॉ अरविन्द कुमार निर्वाणा नेत्रालय राधा कृष्ण गर्ल्स हाई स्कूल, मझिआंव	डॉ गोविंद प्रसाद सेठ रेफरल चिकित्सा पदाधिकारी मझिआंव	अख्तर खान मुखिया सोनपुरवा पंचायत, मझिआंव	देवेन्द्र नाथ पाण्डेय उर्फ बच्चा पाण्डेय समाजसेवी नगर पंचायत, मझिआंव



